



चुनाव आयोग के अधिकारियों को दो घंटे के इंतजार के बाद पंजाब के मु.मंत्री के निवास पर “एंट्री” मिली दिल्ली में

अधिकारियों को शिकायत मिली थी कि मु.मंत्री निवास, कपूरथला हाउस से मतदाताओं को पैसा वितरित किया जा रहा है

-रेणु मित्तल-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्लूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। दिल्ली में कपूरथला हाउस के बाहर तीन घंटे तक भारी ड्रमेबाजी देखी गई। कपूरथला हाउस असल में पंजाब के मुख्यमंत्री का दिल्ली आवास है। चुनाव आयोग के दो अधिकारी शिकायत पर कार्यवाही कर रहे थे कि कपूरथला हाउस से पैसे बांटे जा रहे हैं। जब ये अधिकारी कपूरथला हाउस पहुंचे तो गेट बैठे थे पुलिस ने उन्हें अंदर आने की अनुमति दी।

अधिकारियों ने दो घंटे इंतजार किया उसके बाद मुख्यमंत्री मान ने उन्हें अंदर आने की अनुमति दी।

मान उस समय आतिशी के चुनाव

- जाँच करने गई टीम को कपूरथला हाउस में अधिकारी कमरों पर ताले लगे मिले तथा खाली हाथ ही वापस लौटना पड़ा। पर, अधिकारियों ने कहा कि वे इस घटना के बारे में मुख्य चुनाव आयुक्त को अपनी रिपोर्ट देंगे।
- जैसा कि विदेश ही है, पंजाब भवन के बाहर, बुधवार को एक कार मिली थी, जिसमें कैश, शराब की बोतलें व आप की प्रचार-सामग्री पाई गई थी।
- पर, केजरीवाल के लिये सबसे बड़ा सिरदर्द उनका वो व्यक्तिव्य साबित हो रहा है, जिसमें उन्होंने हरियाणा सरकार पर आरोप लगाया था कि हरियाणा सरकार उस पानी में झज्जर मिला रही है, जो वो दिल्ली की भौतिकी है। अगर, केजरीवाल यह आरोप साबित नहीं कर पाये तो चुनाव आयोग उन्हें “दिस्क्वालिफाई” कर सकता है, चुनाव लड़ने के लिये।

क्षेत्र में थे। चुनाव आयोग के क्योंकि अधिकारी कमरे बंद थे। वे अब क्या एक्शन लेता है। बुधवार अधिकारी सतरकता विभाग की 6 लोग खाली हाथ लौट गए और अब को एक कार दिल्ली में पंजाब भवन के लिये पैदा कर रहे हैं।

चुनाव आयोग में रिपोर्ट देंगे। के सामने खड़ी हुई नजर आई और उन्हें कुछ नहीं मिला देखना यह है कि चुनाव आयोग जिसमें नकदी, शराब की बोतलें रेते हैं।

और आप आदमी वार्टी के पांच मिले किसी ने भी कार के मालिक होने का दावा नहीं किया है।

केजरीवाल को समय अपने इस बयान के कारण भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है कि हरियाणा सरकार दिल्ली आ रहे यमुना के पानी में जपर-चौम युद्ध है। अगर वे अपना आरोप सिद्ध नहीं कर पाए तो उन्हें चुनाव लड़ने के अन्योग भी ठहराया जा सकता है।

भाजपा और चुनाव आयोग केजरीवाल के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने पर आमादा है और उनके लिये एक के बाद एक अड़चने चीन के हिस्टोरिकल नैरिटिंग का मुख्य

“दीपसीक” द्वारा प्रस्तुत विवेचना व विश्लेषण के अनुसार, भारत की गंगा-कानूनी धूस्पैठ से तंग आकर चीन ने नार्थ-ईस्ट में “रक्षात्मक काउन्टर अटैक” किया था और यह चीन के शांतिपूर्ण नेक सोच का ही सबूत है कि चीन ने इस युद्ध में जीत हासिल करने के बाद भी जीती हुई भूमि लौटा दी और सीमा पर शांति स्थापित की।

“दीपसीक” का यह प्रस्तुतिकरण सच्चाई से एकदम परे है तथा विश्व यह बहुत पहले स्थीकार कर चुका है कि चीन ने बैंगज हाक्रमण किया था। “दीपसीक” विश्लेषण, चीन का प्रौपौडा है, जिसका मकसद, चीन की “ट्रिटोरियल महत्वाकांक्षा” को लीपा-पोकी करके, सही ठहराना है।

चीन की, सैन्य विजय के बाद की तेज

वापसी को, जिसकी “शांति चाहे जा सकती है कि 1962

का युद्ध चीन द्वारा शुरू किया गया था,

इसलिए, उसे प्रमुख आक्रमणकारी कह

सकते हैं। उसी वर्ष 20 अक्टूबर को चीन

ने एक सम्बंधीय नैरिटिंग को देने-पूर्वी और परिचयीकानी के लिये एक सम्बंधीय नैरिटिंग को देना है और

महत्वाकांक्षाओं को वैध बनाना है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन का नया एआई ऐप “डीपसीक” 1962 के युद्ध को “रक्षात्मक पलटवार” बताता है

आज की इन्फोर्मेशन एज में आर्टिफिशल इन्टेलिजेंस’’ (एआई) का उपयोग दुष्प्रचार, कुप्रचार के लिये आसानी से हो सकता है, जैसा कि 1962 के भारत-चीन युद्ध के बारे में “डीपसीक” ने बताया

-सुकुमार साह-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्लूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। यह विवेचना ही है कि इन्फोर्मेशन के युग में भी दुष्प्रचार और कुप्रचार वैश्विक व्यवस्था के लिए भारी खारें पैदा कर रहा है। इसका ताजा उदाहरण है, चीन का राज्य-प्रयोगी एआई, डीपसीक, जो कथित रूप से संदर्भ में, जिसे वह देश ‘दीपसीक टिक्किव’ के रूप में दर्शाता है। यह युद्ध में जीत हासिल करने के बाद भी जीती हुई भूमि लौटा दी और सीमा पर शांति स्थापित की।

“दीपसीक” का यह प्रस्तुतिकरण सच्चाई से एकदम परे है तथा विश्व यह बहुत पहले स्थीकार कर चुका है कि चीन ने बैंगज हाक्रमण किया था। “दीपसीक” विश्लेषण, चीन का प्रौपौडा है, जिसका मकसद, चीन की “ट्रिटोरियल महत्वाकांक्षा” को लीपा-पोकी करके, सही ठहराना है।

चीन की, सैन्य विजय के बाद की तेज

वापसी को, जिसकी “शांति चाहे जा सकती है कि 1962

का युद्ध चीन द्वारा शुरू किया गया था,

इसलिए, उसे प्रमुख आक्रमणकारी कह

सकते हैं। उसी वर्ष 20 अक्टूबर को चीन

ने एक सम्बंधीय नैरिटिंग को देना है और

महत्वाकांक्षाओं को वैध बनाना है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तथापि, इतिहासकारों और विदेश

वापसी को, जिसकी “शांति चाहे जा सकती है कि 1962

का युद्ध चीन द्वारा शुरू किया गया था,

इसलिए, उसे प्रमुख आक्रमणकारी कह

सकते हैं। उसी वर्ष 20 अक्टूबर को चीन

ने एक सम्बंधीय नैरिटिंग को देना है और

महत्वाकांक्षाओं को वैध बनाना है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘हिन्दुस्तान का वोटर भविष्य के

बारे में ज्यादा आशावान नहीं’

सी-वोटर द्वारा किये गये सर्वे के अनुसार, मतदाता की

आशंका का कारण है, महंगाई तो बढ़ रही है, पर वेतन नहीं

-डॉ. सतीश मिश्रा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्लूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। कानून विवरण के अनुसार, चीन ने नार्थ-ईस्ट में “रक्षात्मक काउन्टर अटैक” किया था और यह चीन के शांतिपूर्ण नेक सोच का ही सबूत है कि चीन ने इस युद्ध में जीत हासिल करने के बाद भी जीती हुई भूमि लौटा दी और सीमा पर शांति स्थापित की।

“दीपसीक” का यह प्रस्तुतिकरण सच्चाई से एकदम परे है तथा विश्व यह बहुत पहले स्थीकार कर चुका है कि चीन ने बैंगज हाक्रमण किया था। “दीपसीक” विश्लेषण, चीन का प्रौपौडा है, जिसका मकसद, चीन की “ट्रिटोरियल महत्वाकांक्षा” को लीपा-पोकी करके, सही ठहराना है।

चीन की, सैन्य विजय के बाद की तेज

वापसी को, जिसकी “शांति चाहे जा सकती है कि 1962

का युद्ध चीन द्वारा शुरू किया गया था,

इसलिए, उसे प्रमुख आक्रमणकारी कह

सकते हैं। उसी वर्ष 20 अक्टूबर को चीन

ने एक सम्बंधीय नैरिटिंग को देना है और

महत्वाकांक्षाओं को वैध बनाना है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सी-वोटर द्व

